Raj Express (Indore), 16th September 2026, Page - 04

हाइड्रोवर्स एआई नेशनल क्लाइमेट स्टैक इनोवेशन चैलेंज के टॉप 11 फाइनलिस्ट में

आईआईटी इंदौर की उपलब्धि, आपदा की तैयारी में करेगा मदद

इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता हासिल की है। संस्थान की वॉटर, क्लाइमेट एंड सस्टेनेबिलिटी लैब की ओर से विकसित एआई प्लेटफॉर्म ‘हाइड्रोवर्स एआई’ को नाबार्ड के नेतृत्व वाले नेशनल क्लाइमेट स्टैक इनोवेशन चैलेंज 2026 के शीर्ष 11 फाइनलिस्ट में जगह मिली है। देशभर से 150 से अधिक प्रस्तावों में से आईआईटी इंदौर की टीम ने यह मुकाम हासिल किया। प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल के मार्गदर्शन में टीम ने यह प्लेटफॉर्म तैयार किया है। टीम में विशाल गौतम, डॉ. सृजा रॉय, डॉ. कुलदीप सिंह रौतेला और डॉ. विनोद कुमार साहू शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, सैटेलाइट डेटा, जलवायु पुनर्विश्लेषण और सीएमआईपी 6 प्रक्षेपणों को एकीकृत कर बाढ़, सूखा, लू और कृषि पर प्रभाव का जिला-स्तरीय पूर्वानुमान देता है। इस प्रोटोटाइप का मध्यप्रदेश के सभी जिलों में ऐतिहासिक डेटा और 2040 तक के प्रक्षेपणों पर सत्यापन किया गया है। यह जलवायु जोखिम मानचित्र, जोखिम सूचकांक और कार्रवाई योग्य सलाह तैयार करता है, जो जलवायु-स्मार्ट कृषि, जल प्रबंधन और आपदा तैयारी में मदद करेगा।



बनाया जा सकता है जलवायु-सक्षम भारत

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, टॉप 11 में आना गर्व का क्षण है। हाइड्रोवर्स एआई दिखाता है कि कैसे अत्याधुनिक तकनीक से सामाजिक चुनौतियों का समाधान और जलवायु-सक्षम भारत बनाया जा सकता है।

तकनीक के विस्तार की दिशा में अहम पड़ाव

प्रो. मनीष गोयल ने कहा हमारा लक्ष्य जटिल डेटा को स्थानीय और उपयोगी जानकारी में बदलना है ताकि जमीनी स्तर पर समय पर निर्णय लिए जा सकें। यह पहचान इस तकनीक के विस्तार की दिशा में अहम पड़ाव है।